पंजीकरण संख्या–UA/DO/DDN/30/2021-2023

सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड–22] रुड़की, शनिवार, दिनांक 24 अप्रैल, 2021 ई0 (बैशाख 04, 1943 शक सम्वत्) [संख्या–17

विषय–सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग–अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग–अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
		रु0
सम्पूर्ण गजट का मूल्य	–	3075
भाग 1–विज्ञप्ति–अवकाश, नियुक्ति, स्थान–नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस ...	305–318	1500
भाग 1–क–नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया ...	165–171	1500
भाग 2–आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण	–	975
भाग 3–स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया ...	–	975
भाग 4–निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड	–	975
भाग 5–एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड	–	975
भाग 6–बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट	–	975
भाग 7–इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां	–	975
भाग 8–सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि ...	195	975
स्टोर्स पर्चेज–स्टोर्स पर्चेज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि ...	–	1425

भाग 1

विज्ञप्ति–अवकाश, नियुक्ति, स्थान–नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

सचिवालय प्रशासन (अधि0) अनुभाग–1

प्रोन्नति / विज्ञप्ति

01 अप्रैल, 2021 ई0

संख्या 400 / XXXI(1) / 2021 / पदो0–03 / 2020–उत्तराखण्ड सचिवालय संवर्ग के अन्तर्गत समीक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री नीरज मल्ल को नियमित चयनोपरान्त अनुभाग अधिकारी, वेतन लेवल–10 (वेतनमान रू0 56,100–रू0 1,77,500) के रिक्त पद पर कार्यभार ग्रहण किये जाने की तिथि से अस्थाई रूप से पदोन्नत किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2–उक्त पदोन्नति के फलस्वरूप श्री नीरज मल्ल, अनुभाग अधिकारी को 01 वर्ष की विहित परिवीक्षा पर रखा जाता है।

3–उक्त प्रोन्नति मा0 लोक सेवा अधिकरण, देहरादून में योजित निर्देश याचिका संख्या 70 / डी0बी0 / 2019 ललित मोहन आर्य व अन्य बनाम उत्तराखण्ड राज्य व अन्य में मा0 न्यायालय द्वारा पारित होने वाले अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी।

4–श्री नीरज मल्ल, अनुभाग अधिकारी की तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,

राधा रतूड़ी,
अपर मुख्य सचिव।

उच्च शिक्षा अनुभाग–3

अधिसूचना

23 मार्च, 2021 ई0

संख्या 224 / XXIV-C-3 / 2021–13(10)2018–राज्यपाल, यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी रूड़की अधिनियम, 2020 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 07, वर्ष 2021) की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 25 मार्च, 2021 को ऐसी तारीख के रूप में नियत करते है, जिस तारीख को उक्त अधिनियम प्रवृत्त होगा।

आज्ञा से,

आनन्द बर्द्धन,
प्रमुख सचिव।

NOTIFICATION

March 23, 2021

No. 224/XXIV-C-3/2021-13(10)2018-In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 1 of the University of Engineering and Technology Roorkee Act, 2020(Act No. 07 of 2021, the Governor hearby appoints the day of 25 March, 2021 as the date on which the said Act shall come into force.

By Order,

ANAND BARDHAN,
Principal Secretary.

गृह अनुभाग–8

अधिसूचना

08 मार्च, 2021 ई0

संख्या 161/XX-8/2021–11(6)2014–राज्यपाल, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम संख्या 2, वर्ष 1974) की धारा 2 के खण्ड (ध) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, स्पेशल टास्क फोर्स, उत्तराखण्ड की अधिकारिता के अधीन, कुमायूँ परिक्षेत्र में होने वाले साईबर अपराधों के लिए कुमायूँ परिक्षेत्र एक साईबर क्राइम गठित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

2–राज्यपाल, उत्तराखण्ड राज्य में स्थापित अन्य थानों के अतिरिक्त उक्तवत् अधिसूचित साईबर क्राइम पुलिस थानें में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 (केन्द्रीय अधिनियम संख्या 21, वर्ष 2000) से आच्छादित कुमायूँ परिक्षेत्र में होने वाले अपराधों को पंजीकृत किये जाने एवं विवेचना करने के भी निदेश देते हैं।

आज्ञा से,

नितेश कुमार झा,
सचिव।

In pursuance of the provision of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification **No. 161/XX-8/2021-11(6)2014**, dated March 08, 2021 for general information.

NOTIFICATION

March 08, 2021

No. 161/XX-8/2021-11(6)2014.-- In exercise of the powers conferred by the clause (8) of section 2 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Governor is pleased to allow the establishment of a Cyber Crime Police Station in Kumaon region for cyber crimes committed in Kumaon region, under of the jurisdiction of Senior Superintendent of Police, Special Task Force, Uttarakhand.

2- The Governor also directs to register and investigate the offences committed in the Kumaon region covered under the Information Technology Act, 2000 (Central Act no 21 of 2000) in the Cyber Crime police station notified aforesaid along with the other established police stations in the state of Uttarakhand.

By Order,

NITESH KUMAR JHA,
Secretary.

श्रम अनुभाग

अधिसूचना

24 मार्च, 2021 ई0

संख्या 445/VIII-1/21–331(श्रम)/2002–उत्तराखण्ड दुकान और स्थापन (रोजगार विनियमन एवं सेवा–शर्त) अधिनियम, 2017 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 03, वर्ष 2018) की धारा–11 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री राज्यपाल, जनपद अल्मोड़ा की 49–सल्ट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में उप निर्वाचन 2021 हेतु दिनांक 17.04.2021 (शनिवार) को मतदान हेतु उक्त संबंधित क्षेत्र में स्थित समस्त दुकानों एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में मतदान के तिथि दिनांक 17.04.2021 (शनिवार) को, उक्त अधिनियम की धारा–11 के उपबन्धों के अधीन, यदि उक्त दिवस को ऐसे दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान के अन्तर्गत मनाये जाने वाली सामान्य साप्ताहिक छुट्टी का दिन न हो तो मतदान के दिवस को बंदी दिवस के रूप में मनाये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. कारखानों के विषय में भी निर्देश दिये जाते हैं कि–

(i) कारखानों के विषय में यदि मतदान की तिथि दिनांक 17.04.2021 (शनिवार) साप्ताहिक अवकाश का दिन नहीं है, तो संबंधित कारखाने के लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा–135 (ख) के प्रावधानों के अधीन सवेतन अवकाश का दिन मनाया जायेगा तथा श्रमिकों को मतदान हेतु सवेतन सार्वजनिक अवकाश प्राप्त होगा।

(ii) किन्तु अविरल प्रक्रिया (Continous Process) वाले कारखानों में कारखाना प्रबंधक अपने समस्त कर्मचारियों/कर्मकारों को मतदान का समुचित एवं पर्याप्त (Responsible and Sufficient) अवसर प्रदान करेंगे तथा उन्हें मताधिकार से वंचित नहीं करेंगे।

आज्ञा से,

हरबंस सिंह चुघ,
सचिव।

संस्कृति, धर्मस्व/तीर्थाटन प्रबन्धन तथा धार्मिक मेला अनुभाग

अधिसूचना

25 मार्च, 2021 ई0

संख्या 66/VI/2021–83(7)2019–राज्यपाल, उत्तराखण्ड चार धाम देवस्थानम् प्रबन्धन अधिनियम, 2019 की धारा 46 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, चार धाम देवस्थानम् बोर्ड में नामित सदस्यों के लिये अर्हता निर्धारण हेतु नियमावली बनाते हैं, अर्थात;

उत्तराखण्ड चार धाम देवस्थानम् प्रबन्धन बोर्ड में नामित सदस्यों के लिये अर्हता नियमावली, 2021

संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ

1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड चार धाम देवस्थानम् प्रबन्धन बोर्ड में नामित सदस्यों के लिये अर्हता नियमावली, 2021 है।

(2) यह नियमावली उत्तराखण्ड चार धाम देवस्थानम् प्रबन्धन अधिनियम, 2019 की अनुसूची (क),(ख), (ग),(घ) एवं (ड.) में उल्लिखित मन्दिरों तथा अन्य देवस्थानम्/ मन्दिरों पर लागू होगी।

(3) यह तुरंत प्रवृत्त होगी।

परिभाषाएं

2. (1) जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इस नियमावली में–

(क) **"अधिनियम"** से उत्तराखण्ड चार धाम देवस्थानम् प्रबन्धन अधिनियम, 2019 अभिप्रेत है;

(ख) **"दानदाता"** से कोई ऐसा व्यक्ति जो कि अधिनियम की अनुसूची में उल्लिखित मन्दिरों/देवस्थानमों व दान भेंट आदि में अपना योगदान देता हो, अभिप्रेत है;

(ग) **"वंशानुगत पुजारी"** से चार धाम देवस्थानम् /किसी धार्मिक संस्था का न्यासी या पुजारी जिसका उत्तराधिकार किसी रूढ़ि द्वारा विनियमित होता है या वंशानुगत उत्तराधिकार द्वारा न्यायगत होता हो, अभिप्रेत है;

(घ) **"हिन्दू धर्म"** से हिन्दुओं का ऐसा सम्प्रदाय, जो सनातन धर्म को मानते हैं या उसमे विश्वास रखते हैं, अभिप्रेत है;

(ड.) **"सदस्य"** से अधिनियम की धारा 3 की उपधारा(1) तथा (2) में यथा उल्लिखित बोर्ड का सदस्य अभिप्रेत है;

(च) **"पुजारी"** से मन्दिर में पूजा सम्पादित कराने वाला या रीतियों या परम्पराओं के अनुसार किसी देवता की पूजा सम्पादित करने वाला पुजारी अभिप्रेत है और इसमें पण्डा, पुरोहित या अन्य कोई व्यक्ति जो किसी देवस्थानम् या किसी धार्मिक संस्था में आचार्य के रूप में पूजा अर्चना या अन्य अनुष्ठान सम्पादित करता है, सम्मिलित है;

(छ) **"मन्दिर"** से कोई ऐसा स्थान चाहे जिस भी नाम से ज्ञात हो, जो सार्वजनिक धार्मिक पूजा स्थल के रूप में प्रयोग किया जाता हो और हिन्दू समुदाय द्वारा या सनातन धर्म या सार्वजनिक धार्मिक पूजा स्थल के रूप में किसी भी वर्ग को लाभान्वित करने हेतु समर्पित हो, के अधिकार के रूप में प्रयोग किया जाता हो, अभिप्रेत है;

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इस नियमावली में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु उत्तराखण्ड चार धाम देवस्थानम् प्रबन्धन अधिनियम, 2019 में परिभाषित है, वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में हैं।

देवस्थानम् प्रबन्धन बोर्ड में नामित दानदाता सदस्यों के लिये अर्हता	3.	(1)	राज्य सरकार द्वारा नामित चार से अनधिक सदस्य जो दानदाता (भूत, वर्तमान या भविष्य) हो और हिन्दू धार्मिक मामलों में विशेष रूचि रखता हो, मे से होंगे। उक्त सदस्यों के नामांकन हेतु निम्नलिखित अर्हताएं विहित की जाती हैं, अर्थातः– (क) हिन्दू धार्मिक मामले में विशेष रूचि रखने वाला ऐसा दानदाता जो, हिन्दू धर्म का अनुयायी होने के साथ–साथ मूर्तिपूजा में पूर्ण रूप से विश्वास रखता हो। (ख) हिन्दू मन्दिरों के धार्मिक क्रियाकलापों में भागीदारी किया हो एवं मन्दिरों के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य किया गया हो अथवा किसी भी हिन्दू मन्दिरों में दान, भेंट आदि में अपना योगदान दिया गया हो। (ग) किसी राजनीतिक दल या ऐसे किसी संगठन का जो राजनीति में भाग लेता हो का सदस्य न हो अथवा उससे सम्बन्धित न किसी आन्दोलन या संगठन में जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विधि द्वारा स्थापित राज्य के लिए विध्वंसक हो या उसका कारण बनता हो। (घ) किसी ऐसे प्रदर्शन में भाग न लिया हो जो भारत की प्रभुत्ता और अखण्डता, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार, नैतिकता के हित के प्रतिकूल हो या मन्दिरों के हितों के विरूद्ध हो या जिसमें न्यायालय की अवमानना, मानहानि या किसी अपराध के लिए प्रेरित करना अर्न्तग्रस्त हो। (ड.) मन्दिरों के सर्वांगीण विकास हेतु समुचित योजना के क्रियान्वयन में अपने विशेष योगदान देने की पूर्ण क्षमता रखता हो। (च) मन्दिरों के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु किये जा रहे विशेष प्रयासों में अन्य लोगों को भी समान्तर क्रम में जोड़ने हेतु अभिप्रेरित करने की क्षमता रखता हो एवं ऐसे कार्य पूर्व में अमल में लाया गया हो।
		(2)	अधिनियम में उल्लिखित किसी उपबन्ध के प्रतिकूल आचरण/व्यवहार न रखता हो।

देवस्थानम् प्रबन्धन बोर्ड में नामित सनातन धर्म से सम्बन्धित सदस्यों के लिये अर्हता

4. (1) राज्य सरकार द्वारा नामित सनातन धर्म से सम्बन्धित हिन्दू धर्म के धार्मिक मामलों का व्यापक अनुभव रखने वाला ख्याति प्राप्त व्यक्ति। सदस्य के नामांकन हेतु निम्नलिखित अर्हताएं विहित की जाती हैं, अर्थातः–

(क) जो हिन्दू धार्मिक मामले में विशेष रूचि रखने वाला ऐसा व्यक्ति जो, हिन्दू धर्म का अनुयायी होने के साथ–साथ मूर्तिपूजा में पूर्ण रूप से विश्वास रखता हो।

(ख) हिन्दू मन्दिरों के धार्मिक क्रियाकलापों में भागीदारी किया हो एवं मन्दिरों के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य किया गया हो अथवा किसी भी हिन्दू मन्दिरों में दान, भेंट आदि में अपना योगदान दिया गया हो।

(ग) किसी ऐसे प्रदर्शन में भाग न लिया हो जो भारत की प्रभुत्ता और अखण्डता, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार, नैतिकता के हित के प्रतिकूल हो या मन्दिरों के हितों के विरूद्ध हो या जिसमें न्यायालय की अवमानना, मानहानि या किसी अपराध के लिए प्रेरित करना अन्तर्ग्रस्त हो।

(घ) मन्दिरों के सर्वांगीण विकास हेतु समुचित योजना के क्रियान्वयन में अपने विशेष योगदान देने की पूर्ण क्षमता रखता हो।

(ड.) मन्दिरों के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु किये जा रहे विशेष प्रयासों में अन्य लोगों को भी समान्तर क्रम में जोड़ने हेतु अभिप्रेरित करने की क्षमता रखता हो एवं ऐसे कार्य पूर्व में अमल में लाया गया हो।

(2) अधिनियम में उल्लिखित किसी उपबन्ध के प्रतिकूल आचरण/व्यवहार/अर्हता न हो।

देवस्थानम् प्रबन्धन बोर्ड में नामित पुजारियों/वंशानुगत पुजारियों के लिए अर्हता

5. (1) पुजारियों या वंशानुगत पुजारियों का प्रतिनिधित्व करने के लिये बद्री–केदार, यमुनोत्री–गंगोत्री और अनुसूची में वर्णित धार्मिक देवस्थानमों में किसी अधिकार को धारण करने वाले पांच ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को राज्य सरकार द्वारा नामित किया जायेगा। उक्त सदस्यों के नामांकन हेतु निम्नलिखित अर्हताएं विहित की जाती हैं, अर्थातः–

(क) जो हिन्दू धार्मिक मामले में विशेष रूचि रखने वाला, ऐसे व्यक्ति जो, हिन्दू धर्म का अनुयायी होने के साथ–साथ मूर्तिपूजा में पूर्ण रूप से विश्वास रखता हो।

(ख) हिन्दू मन्दिरों के धार्मिक क्रियाकलापों में भागीदारी किया हो एवं मन्दिरों के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य किया गया हो अथवा किसी भी हिन्दू मन्दिरों में दान, भेंट आदि में अपना योगदान दिया गया हो।

(ग) उक्त नामित होने वाले सदस्य चार धाम देवस्थानम् के सम्बद्ध मन्दिरों में पुजारी हों अथवा हक–हकूकदार हों।

(घ) किसी ऐसे प्रदर्शन में भाग न लिया हो जो भारत की प्रभुत्ता और अखण्डता, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार, नैतिकता के हित के प्रतिकूल हो या मन्दिरों के हितों के विरूद्ध हो या जिसमें न्यायालय की अवमानना, मानहानि या किसी अपराध के लिए प्रेरित करना अन्तर्ग्रस्त हो।

(ड.)मन्दिरों के सर्वांगीण विकास हेतु समुचित योजना के क्रियान्वयन में अपनी विशेष योगदान देने की पूर्ण क्षमता रखता हो।

(2) अधिनियम में उल्लिखित किसी उपबन्ध के प्रतिकूल आचरण/व्यवहार न रखता हो।

आज्ञा से,

दिलीप जावलकर,
सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of "the Constitution of India" the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification **No. 66/VI/2021-83(7)2019**, dated March 25, 2021 for general information.

NOTIFICATION

March 25, 2021

No. 66/VI/2021-83(7) 2019.-- In exercise of the power conferred under sub-section (1) of section 46 of the Uttarakhand Char Dham Devasthanam Management Act 2019, the Governor is pleased to make the following rules as determination and qualification for nominated members in the char Dham Devasthanam Board-

The Qualification for Nominated Members in Uttarakhand Char Dham Devsthanam Management Board Rules, 2021

Short title, extent and commencement	1	(1)	These rules may be called the Qualification for Nominated Members in Uttarakhand Char Dham Devasthanam Management Board Rules, 2021.
		(2)	This Rules shall be applicable to the temples mentioned in schedule (a), (b), (c), (d) and (e) of the Uttarakhand Char Dham Devasthanam Management Act, 2019 and other Devasthanams / temples.
		(3)	It shall come in force at once.
Definitions	2.	(1)	In these Rules unless there is anything repugnant in the subject or context,-
		(a)	"Act" means the Uttarakhand Char Dham Devasthanam Management Act, 2019;
		(b)	"Donor" means such any person who contributes to the temples/ devasthanams and donate etc. mentioned in the schedule of the Act.
		(c)	"Hereditary priest" means the trustee or priest of a Char Dham Devasthanam/ any religious institution succession to whose office is regulated by any custom or denoted by any hereditary right;

(d) "Hindu Religion" means such sects of Hindus professing Sanatna Dharma or having faith in it;

(e) "Member" means a member of the Board as mentioned in sub-sections (1) and (2) of section 3 of the Act;

(f) "Priest" means a priest performing puja in the temple or a deity as per customs or usages and includes Pandas, Priests, Purohit or any other person who performs Puja/Archana or other rituals in a Devasthanam or in any religious institution;

(g) "Temple" means a place by whatsoever ones name known used as a place of public religious worship and dedicated to, the benefit of, as used as of right by the Hindu community professing Sanatan Dharm or any section thereof as a place of public religious worship;

(2) Thewords and expression used in this rules are not defined , but defined in the Uttarakhand Char Dham Devasthanam Management Act, 2019, shall have the same meanings as in the Act.

Qualification for nominated donor members in Devasthanam Management Board

3. (1) Not more than four members nominated by the state government who are donors (past, present or future) and have special interest in Hindu religious matters. The following qualifications are prescribed for the nomination of the said members, namely: -

(a) Such donor who has be special interest in Hindu religious matters, being a follower of Hinduism as well as fully believes in idolatry.

(b) Participated in the religious activities of Hindu temples and worked for the all-round development of the temples or contributed as donations in any of the Hindu temples.

(c) Not a member of any political party or any organization that participates in politics or in any movement or organization related to it, which directly or indirectly is destructive to the state established by law or causes it.

(d) Not to be participated in any activity that is contrary to the sovereignty and integrity of India, security of the state, friendly relations with foreign states, public order, courtesy, morality interest, or against the interests of temples or Contempt of court, defamation or inducement for any offence should be impaired.

(e) Have full capacity to make special contribution in the implementation of proper planning for the all-round development of temples.

(f) The special efforts being made for the preservation and promotion of temples, also should have the ability to motivate others to join in order and such work may have implemented earlier.

(2) Does not have conduct/practice contrary to any of the provisions mentioned in the Act.

Qualification for members related to Sanatan Dharma nominated in Devasthanam Management Board

4. (1) A person of repute with wide experience in the religious matters of Hindu religion related to Sanatan Dharma nominated by the state government. The following qualifications are prescribed for the nomination of the said member, namely- :

(a) A person who has a special interest in Hindu religious matters, as well as follower of Hindu religion and believes in idolatry.

(b) Participated in the religious activities of Hindu temples and worked for the all-round development of the temples or contributed as donations in any of the Hindu temples.

(c) Not to be participated in any activity that is contrary to the sovereignty and integrity of India, security of the state, friendly relations with foreign states, public order, courtesy, morality interest, or against the interests of temples or contempt of the court, defamation or inducement for any offence should be impaired.

(d) Has full potential to make his special contribution in the implementation of proper planning for the all-round development of temples.

(e) The special efforts being made for the preservation and promotion of temples, also should have the ability to motivate others to join in order and such work may have implemented earlier.

(2) Does not have conduct/pracitce contrary to any of the provisions mentioned in the Act.

Qualification for nominated priests / hereditary priests in Devasthanam Management Board

5. (1) To represent the priests or hereditary priests in Devasthanam, the Badri-Kedar, Yamunotri-Gangotri and five eminent persons holding any authority in the religious Devasthanam, mentioned in the schedule shall be nominated by the State Government. The following qualifications are prescribed for the nomination of the said members: -

(a) A person who has a special interest in Hindu religious matters, as well as follower of Hinduism and believes in idolatry.

(b) Participated in the religious activities of Hindu temples and worked for the all-round development of the temples or contributed as donations in any of the Hindu temples.

(C) Said members as nominated shall be priests or Hak-Hakukdar in the respective temples of Char Dham Devasthanam.

(d) Not to be participated in any activity that is contrary to the sovereignty and integrity of India, security of the state, friendly relations with foreign states, public order, courtesy, morality interest, or against the interests of temples or contempt of the court, defamation or inducement for any offence should be impaired.

(e) Has full potential to make his special contribution in the implementation of proper planning for the all-round development of temples.

(2) Does not have conduct/practice contrary to any of the provisions mentioned in the Act.

By Order,

DILIP JAWALKAR,
Secretary.

न्याय अनुभाग–1

अधिसूचना

नियुक्ति

31 मार्च, 2021 ई0

संख्या–04 / नो0जी0 / XXXVI-A–1 / 2021–03 नो0जी0 / 2010–श्री राज्यपाल, नोटरी अधिनियम, 1952 (अधिनियम संख्या–53, सन् 1952) की धारा–3 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके श्री अनुज डिमरी, अधिवक्ता को दिनांक 31–03–2021 से अग्रेत्तर पांच वर्ष की अवधि के लिये तहसील कर्णप्रयाग, जिला चमोली में नोटरी नियुक्त करते हैं और नोटरीज रूल्स 1956 के नियम–8 के उपनियम (4) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके यह भी निदेश देते है कि श्री अनुज डिमरी का नाम उक्त अधिनियम की धारा–4 के अधीन रखे गये नोटरी पंजिका में प्रविष्ट किया जाय।

आज्ञा से,

प्रेम सिंह खिमाल,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution, the Governor is pleased to order the publication of following English Translation of Notification **No. 04/No-G/ XXXVI-A-1/2021-03 No.-G/2010** dated March 31, 2021.

NOTIFICATION

Appointment

March 31, 2021

No. 04/No-G/XXXVI-A-1/2021-03 No.-G/2010--In exercise of the powers conferred by section 3 of the Notaries Act, 1952 (Act No- 53 of 1952), the Governor is pleased to appoint Mr. Anuj Dimari, Advocate as Notary for a period of five years with effect from-31-03-2021 for Tehsil Karanprayag, District Chamoli and in exercise of the powers conferred by sub-rule (4) of rule 8 of Notaries Rules, 1956 also directs that the name of Mr. Anuj Dimari be entered in the register of Notaries maintained under Section 4 of the said Act.

By Order,

PREM SINGH KHIMAL,
Secretary, Law-cum-L.R.

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 17 हिन्दी गजट / 172–भाग 1–2021 (कम्प्यूटर / रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक–अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रूड़की।

पंजीकरण संख्या–UA/DO/DDN/30/2021-2023

सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 24 अप्रैल, 2021 ई0 (बैशाख 04, 1943 शक सम्वत्)

भाग 1–क

नियम, कार्य–विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

NOTIFICATION

March 23, 2021

No. 41/XIV/8/Admin.A/2008--Ms. Reena Negi, 4th Additional District & Sessions Judge, Hardwar is hereby sanctioned earned leave for 11 days *w.e.f* 08.03.2021 to 18.03.2021 with permission to prefix 07.03.2021 as Sunday holiday.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

NOTIFICATION

March 23, 2021

No. 42/XIV-a-28/Admin.A/2011--Sri Mohd. Yaqoob, 2nd Additional Chief Judicial Magistrate, Dehradun is hereby sanctioned earned leave for 12 days *w.e.f.* 01.03.2021 to 12.03.2021 with permission to prefix 28.02.2021 as Sunday holiday and suffix 13.03.2021 & 14.03.2021 as Second Saturday & Sunday holidays respectively.

By Order of Hon'ble the Vacation Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

NOTIFICATION

March 24, 2021

No. 44/UHC/Admin.A/2021--Shri Sundeep Kumar, Civil Judge (Sr. Div.), Tehri Garhwal is transferred and posted as Joint Director, UJALA, Bhowali, District Nainital, vice Ms. Ritika Semwal.

NOTIFICATION

March 24, 2021

No. 45/UHC/Admin.A/2021--Ms. Ritika Semwal, Joint Director, UJALA, Bhowali, District Nainital is transferred and posted as Civil Judge (Sr. Div.), Tehri Garhwal, vice Shri Sundeep Kumar.

NOTIFICATION

March 24, 2021

No. 46/UHC/Admin.A/2021--Shri Bhupendra Singh Shah, Civil Judge (Jr. Div.), Narendra Nagar, District Tehri Garhwal is transferred and posted as Assistant Director, UJALA, Bhowali, District Nainital, in the vacant post.

Note: The above transfer orders will come into force with immediate effect.

By Order of the Court,

Sd/-

DHANANJAY CHATURVEDI,

Registrar General.

NOTIFICATION

March 25, 2021

No. 47/XIV/82/Admin.A/2003-Smt. Pritu Sharma, 1st Additional District Judge, Nainital is hereby sanctioned child care leave for 20 days *w.e.f.* 01.03.2021 to 20.03.2021 with permission to prefix 28.02.2021 as Sunday holiday and suffix 21.03.2021 as Sunday holiday, in terms of Office Memorandum No.11/XXVII(7)34/2011 dated 30.05.2011 issued by Government of Uttarakhand.

By Order of Hon'ble the Vacation Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

NOTIFICATION

March 25, 2021

No. 48/XIV-a/51/Admin.A/2012-Ms. Anita Kumari, Civil Judge (Sr. Div.), Pauri Garhwal is hereby sanctioned child care leave for 33 days *w.e.f.* 08.02.2021 to 12.03.2021 with permission to prefix 07.02.2021 as Sunday holiday and suffix 13.03.2021 & 14.03.2021 as 2nd Saturday and Sunday holidays, in terms of Office Memorandum No.11/XXVII(7)34/2011 dated 30.05.2011 issued by Government of Uttarakhand.

NOTIFICATION

March 26, 2021

No. 49/XIV-a/34/Admin.A/2012-Smt. Niharika Mittal Gupta, Additional Chief Judicial Magistrate, Nainital is hereby sanctioned medical leave for 21 days *w.e.f.* 17.11.2020 to 07.12.2020.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

HIGH COURT OF UTTARAKHAND, AT- NAINITAL

NOTIFICATION

5th April, 2021

No. 50/UHC/Admin.B/2021–In view of the second wave of COVID-19 Pandemic, the following directions are being issued for the District Courts and Family Courts of District Dehradun and Haridwar :-

a. Regular District Courts & Family Courts work at District Dehradun and Haridwar, including outlying Courts may be temporarily suspended for sanitization and other purposes for two weeks with effect from 06.04.2021.

b. Court work of District Courts & Family Courts of District Dehradun and Haridwar will be conducted as per Notification no. 100/ UHC / Admin. B/ 2020 dated May 26, 2020.

c. One third of the employees of the District Court/Family Court may be permitted to attend the Court at a time.

d. District Judges of Dehradun & Haridwar as well as the Principal Judge/Judge, Family Courts of District Dehradun & Haridwar are requested to ask the respective medical authority to vaccinate all employees above 45 years, as per directions of Government of India.

e. Court employees above the age of 55 years may not be compelled to attend the Court.

f. Category of cases mentioned in paragraph 3 of the aforesaid Notification may be deemed amended for sub clause (b), (f) and (l) meaning thereby these set of cases shall not be dealt during two weeks from 06.04.2021.

g. In above notification, any directions issued pertaining to Advocates' Chambers shall be followed after consultation with concerned Bar Association.

h. Other SOPs issued by Government of India and Government of Uttarakhand for prevention of Covid 19 infection shall be adhered strictly.

I. Concerned District Judges shall inform the concerned Bar Association immediately about these directions.

j. No Judicial Officer shall leave the station without prior permission of the District Judge. Point No. 11 of the aforesaid Notification dated 26.05.2020 may be deemed amended accordingly.

k. Further necessary directions may be issued later on.

Kindly make the strict compliance of the aforesaid directions issued by the Hon'ble Court.

By Orders of the Hon'ble Court,

Sd/-

DHANANJAY CHATURVEDI,

Registrar General.

HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

NOTIFICATION

April 06, 2021

No. 51/XIV-a/22/Admin.A/2011--Ms. Rinky Sahni, Chief Judicial Magistrate, Almora is hereby sanctioned child care leave for 27 days *w.e.f.* 01.03.2021 to 27.03.2021 with permission to prefix 28.02.2021 as Sunday holiday and suffix 28.03.2021 as Sunday holiday & 29.03.2021 & 30.03.2021 as Holi holidays, in terms of office Memorandum No.11/XXVII(7)34/2011 dated 30.05.2011 issued by Government of Uttarakhand.

By Order of Hon'ble the Vacation Judge,

Registrar (Inspection).

NOTIFICATION

April 06, 2021

No. 52/XIV-a/56/Admin.A/2012--Ms. Seema Dungrakoti, 4th Additional Civil Judge (Sr. Div.), Dehradun is hereby sanctioned child care leave for 27 days *w.e.f.* 22.02.2021 to 20.03.2021 with permission to prefix 21.02.2021 as Sunday holiday and suffix 21.03.2021 as Sunday holiday, in terms of office Memorandum No.11/XXVII(7)34/2011 dated 30.05.2011, issued by Government of Uttarakhand.

By Order of Hon'ble the Vacation Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

NOTIFICATION

April 06, 2021

No. 53/XIV-a/29/Admin.A/2012--Ms. Vibha Yadav, 3rd Additional Chief Judicial Magistrate, Dehradun is hereby sanctioned medical leave for 06 days *w.e.f.* 16.03.2021 to 21.03.2021.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

NOTIFICATION

April 06, 2021

No. 54/XIV-a-52/Admin.A/2015--Ms. Jayshree Rana, Civil Judge (Jr. Div.), Nainital is hereby sanctioned child care leave for 30 days *w.e.f.* 04.03.2021 to 02.04.2021, in terms of office Memorandum No.11/XXVII(7)34/2011 dated 30.05.2011 issued by Government of Uttarakhand.

By Order of Hon'ble the Vacation Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

NOTIFICATION

April 06, 2021

No. 55/XIV/a-26/Admin.A/2018--Ms. Vijay Lakshmi Vihan, ADJ/FTC/Special Judge (POCSO), Rudrapur, District Udham Singh Nagar is hereby sanctioned child care leave for 47 days *w.e.f.* 20.01.2020 to 06.03.2020 with permission to prefix 19.01.2020 as Sunday holiday, in terms of office Memorandum No.11/XXVII(7)34/2011 dated 30.05.2011, issued by Government of Uttarakhand.

NOTIFICATION

April 06, 2021

No. 56 UHC/XIV-44/Admin.A/2008--Shri Narendra Dutt, District & Sessions Judge, Udham Singh Nagar is hereby sanctioned medical leave for 07 days w.e.f. 17.12.2020 to 23.12.2020.

NOTIFICATION

April 07, 2021

No. 57/XIV/a-41/Admin.A/2013--Shri Sushil Tomar, 1st Additional District Judge, Roorkee, District Hardwar is hereby sanctioned earned leave for 12 days *w.e.f.* 15.03.2021 to 26.03.2021 with permission to prefix 13.03.2021 & 14.03.2021 as Second Saturday & Sunday holidays.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

NOTIFICATION

April 08, 2021

No. 59/UHC/Admin.A/2021--Shri Prem Singh Khimal, Secretary (Law)-cum-LR, Government of Uttarakhand, Dehradun is repatriated, transferred and posted as District & Sessions Judge, Udham Singh Nagar vice Shri Narendra Dutt.

NOTIFICATION

April 08, 2021

No. 60/UHC/Admin.A/2021--Shri Narendra Dutt, District & Sessions Judge, U.S. Nagar is transferred and posted as District & Sessions Judge, Chamoli vice Shri Rajendra Singh.

NOTIFICATION

April 08, 2021

No. 61/UHC/Admin.A/2021--Shri Shrikant Pandey, 2nd Addl. District & Sessions Judge, Dehradun, is, transferred and posted as District Judge, Rudraprayag vice Shri Harish Kumar Goel.

Note: (a) The above transfer orders will come into force w.e.f. 15.04.2021.

(b) Recommendation is being sent to the Government to issue notification for posting of following officers to be effective from 15.04.2021:

01. Shri Rajendra Singh, District & Sessions Judge, Chamoli for posting as Principal Secretary (Law)-cum-LR, Government of Uttarakhand, Dehradun vice Shri Prem Singh Khimal.

02. Shri Harish Kumar Goel, District & Sessions Judge, Rudraprayag, for posting as Chairman, Commercial Tax Tribunal, Dehradun in the vacant post.

03. Shri Anuj Kumar Sangal, Registrar (Vigilance), High Court of Uttarakhand for posting as Principal Judge, Family Court, Dehradun in the vacant post.

04. Smt. Sujata Singh, 1st Addl. District & Sessions Judge, Dehradun, for posting as Presiding Officer, Labour Court, Kashipur, U.S. Nagar in the vacant post.

05. Shri S.M.D. Danish, 1st Addl. District & Sessions Judge, Haridwar for posting as Presiding Officer, Labour Court, Haridwar in the vacant post.

By Order of the Court,

Sd/-

DHANANJAY CHATURVEDI,

Registrar General.

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 17 हिन्दी गजट/172–भाग 1–क–2021 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक–अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।

पंजीकरण संख्या–UA/DO/DDN/30/2021-2023

सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 24 अप्रैल, 2021 ई0 (बैशाख 04, 1943 शक सम्वत्)

भाग 8

सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि

सूचना

IN Naval Service record my name Anand Singh Bhist wrongly mentioned. My correct Name is Anand Singh Bisht. Hereafter in all record under all occasion, I must be known with this name. Indian Navy EX-SPO Service number 143381T.

समस्त विधिक औपचारिकताऐं मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

Anand Singh Bisht S/o Narayan Singh Bisht

R/o Vill & Post Kausani Tok Saurdhar,

Teh-Garur, Distt. Bageshwar (U.K.)

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 17 हिन्दी गजट/172–भाग 8–2021 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक–अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।